ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-४६
दिनांक- मंगलवार, १० जुलाई, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३५.० एवं २४.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८८ सुबह में एवं दोपहर में ६८ प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.१ एवं दोपहर में ३४.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हूई है। पूसा मौसमीय वेद्यशाला में ४०.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(११ से १५ जुलाई, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ११ से १५ जुलाई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अगले तीन-चार दिनों तक मानसून के कमजोर रहने का अनुमान है। इस अवधि कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान ३५ से ३६ डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान २५ से २७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन ०८ से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूर्वानुमान की अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- विगत वर्षा का लाभ उठाते हुए जो किसान धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य अविलम्ब सम्पन्न कर लें।
- जिन क्षेत्रों में अच्छी वर्षा हुई है एवं किसानों के पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो तथा धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। अगर इन क्षेत्रों में किसानों के पास बिचड़ा उपलब्ध नहीं है, तो किसान भाई कदवा करके धान की सीधी बुआई वेट डी.एस.आर.विधि से करें। जहाँ हल्की वर्षा हुई है एवं किसानों के पास बिचड़ा भी नहीं है, वैसे किसान अल्प अवधि एवं मध्यम अवधि वाले धान के बीज को डी.एस.आर. विधि से धान की बुआई करें।
- धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलो ग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ४० किलोग्राम पोटाश का व्यवहार करें।
- अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर, २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर १८-२० किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सकें।
- पहले से तैयार गढ़ों में फलदार एवं जंगली पौधों को लगाने का कार्य करें। पौधों को दीमक तथा सफेद लट कीट से वचाव हेतु ५ मी०ली० क्लोरपाईरिफॉस दवा १ ली० पानी में मिलाकर पौधा लगाने के बाद गढ़े में दे।
- पशुओं में खुरपका - मुँहपका रोग के लक्षण दिखाई दे रहे हों तो इसके बचाव हेतु पशुओं के मुँह को फिटकरी या पोटाश के घोल तथा खुर को फिनाईल से धोवें। अगर टीकाकरण नहीं हुआ हो तो पशु चिकित्सक की सलाह से टीकाकरण अवश्य करा लें। पशुओ के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.६ अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २४.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.२ कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी